Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 16 जनवरी, 2024

DRDO ने लॉन्च की स्वदेशी असॉल्ट राइफल 'उग्रम'

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defence Research and Development Organisation- DRDO) ने **'उग्रम' (Ugram)** नाम से एक स्वदेशी असॉल्ट राइफल लॉन्च की है, जिसका उद्देश्य सशस्त्र बलों, अर्द्धसैनिक तथा राज्य पुलिस इकाइयों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरण करना है।

- इसे DRDO की इकाई आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ARDE) तथा हैदराबाद स्थित निजी फर्म द्विपा आर्मर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।
  - उग्रम का उद्देश्य वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा उपयोग की जाने वाली पुरानी INSAS राइफल को प्रतिस्थापित करना है।
- इसे सेना की जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स (GSQR) को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है।
  - GQSR पूंजी खरीद की प्रारंभिक प्रक्रियाओं में से एक है। यह उपकरण की आवश्यकता, इसके भौतिक तथा परिचालन विवरण और साथ ही रखरखाव एवं गुणवत्ता की आवश्यकताओं का वर्णन भी करता है।
- **विशेषताएँ:**
  - 7.62 x 51 मिमी. कैलिबर की इस राइफल को एक निजी उद्योग भागीदार के सहयोग से डिज़ाइन, विकसित तथा निर्मित किया गया है।
  - इसकी प्रभावी रेंज 500 मीटर है और इसका भार चार किलोग्राम से भी कम है।

और पढ़ें...रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा उत्कृष्टता के लिये नवाचार

अभ्यास-अयुत्थाया और इंडो-थाई कॉर्पेट का 36वां संस्करण

भारतीय नौसेना और **रॉयल थाई नौसेना (Royal Thai Navy - RTN**) ने **'अभ्यास-अयुत्थाया (Ex-Ayutthaya)'** नामक पहला द्विपक्षीय अभ्यास आयोजित किया और द्विपक्षीय अभ्यास के साथ **भारत-थाईलैंड समन्वित गश्ती दल (Indo-Thai CORPAT)** का **36वाँ संस्करण** भी आयोजित किया गया।

- '**अभ्यास-अयुत्थाया'** का अनुवाद **'अजेय वन'** या **'अपराजेय'** है, और यह दो सबसे पुराने शहरों, भारत में **अयोध्या** व थाईलैंड में **अयुत्या**, ऐतिहासिक विरासतों, समृद्ध सांस्कृतिक संबंधों एवं कई सदियों तक साझा ऐतिहासिक कथाओं के महत्त्व का प्रतीक है।
- इस अभ्यास के उद्घाटन संस्करण में स्वदेश निर्मित भारतीय नौसेना के जहाज़ **कुलिश** और **INLCU 56** ने भाग लिया। RTN पक्ष का प्रतिनिधित्व हिज़ थाई मेजेस्टीज़ शिप (HTMS) **प्रचुआप खिरी खान** ने किया।

- अभ्यास के समुद्री चरण में दोनों नौसेनाओं के समुद्री गश्ती विमानों ने भाग लिया।

[और पढ़ें: सागर संपर्क](#)

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2024

भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम की सराहना करने और उसे बढ़ावा देने के लिये प्रत्येक वर्ष 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया जाता है।

- स्टार्टअप इंडिया पहल **16 जनवरी, 2016** को **नवाचार को बढ़ावा देने**, **स्टार्टअप का समर्थन करने** और **निवेश को प्रोत्साहित करने** के दृष्टिकोण से शुरू की गई थी।
  - **वर्ष 2024 में आठवीं वर्षगाँठ** महत्त्वपूर्ण वृद्धि का प्रतीक है, जिसमें यह कार्यक्रम **वर्ष 2016 में 400 स्टार्टअप** से **बढ़कर 1.18 लाख से अधिक** स्टार्टअप तक पहुँच गया है।
- मान्यता प्राप्त संस्थाएँ विभिन्न सरकारी लाभ उठाती हैं, जैसे अनुपालन स्व-प्रमाणन, पेटेंट आवेदन सहायता तथा करों में छूट ।
  - विशेष रूप से, **SIDBI** फंड ऑफ फंड्स योजना ने वित्तीय सहायता पर ज़ोर देते हुए **2,977 आयकर छूट** दी है और **3,658 स्टार्टअप को वित्त पोषित** किया है।
  - स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम में सीड फंड योजना और क्रेडिट गारंटी योजना जैसी पहल शामिल हैं, जो स्टार्टअप को और सहायता प्रदान करती हैं।

और पढ़ें: उभरती प्रौद्योगिकी में स्टार्टअप

सोलिगा और येरावा जनजातियों की चारागाह परंपराएँ

कर्नाटक में सोलिगा जनजाति, कावेरी बेसिन का हिस्सा, लताओं और बाँस की रस्सियों के साथ पारंपरिक **तकनीकों का उपयोग करके प्राचीन** शहद संग्रह का अभ्यास करती है।

- वे, **पश्चिमी घाट में येरवा के साथ,** हज़ारों वर्षों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं, अपने आहार में पश्चिमी घाट के शहद पर काफी निर्भर हैं।
- पुस्तक **"फॉरगॉटन ट्रेल्स: फोर्जिंग वाइल्ड एडबिल्स"** यह बताती है कि कैसे पारंपरिक फोर्जिंग ज्ञान को संरक्षित करने के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए, दोनों जनजातियों के आहार में फोरज किये गए खाद्य पदार्थ एक बड़ा हिस्सा बनते हैं।
  - **फोर्जिंग न केवल अस्तित्व सुनिश्चित करता है बल्कि सामुदायिक बंधनों को भी मज़बूत करता है,** युवा पीढ़ी को आवश्यक कौशल प्रदान करता है और एकता तथा सह-अस्तित्व को बढ़ावा देता है।

और पढ़ें: शहद मशिन और मीठी क्रांति

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-16-january,-2024